वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 348 | बुधवार 16 अप्रैल 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

रंगमंच पर गूंजा इतिहास, संवेदनाओं से भीगा देशभक्ति का स्वर

जलियांवाला बाग का मंचन हुआ, "आलोकनामा" ने छूए मन के तार

जयपुर. कासं

जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर आर्ट्स एंड आइडियाज की ओर से प्रस्तुत नाट्य-प्रस्तुति जलियांवाला बाग 1919 ने रंगमंच पर इतिहास की पुनरावृत्ति करते हुए दर्शकों को 13 अप्रैल 1919 की उस भयावह दोपहर में लौटा दिया, जब जनरल डायर के आदेश पर निर्दोष लोगों पर गोलियां बरसाई गई थीं। राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित इस प्रस्तुति ने दर्शकों को न केवल भावनात्मक रूप से झकझोरा, बल्कि देशभक्ति की भावना से भी ओतप्रोत कर दिया।

त्रासदी की पीड़ा को दर्शाया

प्रसिद्ध रंगकर्मी अशोक बांठिया और कुलविंदर बक्शी की ओर से निर्देशित इस नाटक की प्रभावशाली मंच सज्जा, संवाद, ऐतिहासिक वेशभूषा और कलाकारों की जीवंत अभिव्यक्ति ने दर्शकों को उस त्रासद दिन की वास्तविकता से जोड़ने में कोई कसर नहीं छोड़ी। इस अवसर पर जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के वाइस चेयरपर्सन अमित अग्रवाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी प्रस्तुतियां युवाओं को उनके इतिहास से जोड़ती हैं और उनके भीतर मानवीय संवेदनाएं, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा देशभक्ति जाग्रत करती हैं। यूनिवर्सिटी के प्रेसिडेंट विक्टर गंभीर ने इसे एक ''अनुभव'' बताते हुए कहा कि मंचन केवल अभिनय नहीं था, बल्कि इतिहास को महसूस कराने की एक कोशिश थी। वहीं, सेंटर के चेयरपर्सन प्रसन्ना खमेसरा ने भावुक होते हुए कहा कि यह नाटक आत्मा से निकली एक पुकार थी, जिसने दर्शकों को उस दौर की पीड़ा से सीधे जोड़ा।

आलोकनामा ने दर्शकों के मन को छूआ

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में वरिष्ठ रंगकर्मी, कवि और गीतकार आलोक श्रीवास्तव की ओर से प्रस्तुत एकल काव्य-प्रस्तुति ''आलोकनामा'' ने कार्यक्रम को संवेदनशील ऊंचाइयों तक पहुंचाया। यह प्रस्तुति समाज, संबंधों और आत्ममंथन की गहराइयों को स्पर्श करने वाली रही। सहज भाषा और प्रभावशाली अभिव्यक्ति के माध्यम से आलोकनामा ने दर्शकों के मन को भीतर तक छू लिया। जेईसीआरसी यूनिवर्सिटी के इंजीनियरिंग, साइकोलॉजी, कंप्यूटर साइंस, जर्नलिज्म, फॉरेंसिक साइंस आदि के विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। उनका समर्पण और टीम भावना पूरे आयोजन की सफलता का प्रमुख आधार रहा।

पुलिसकर्मी रोडवेज की सेमी-डीलक्स बसों में फ्री यात्रा कर सकेंगे

जयपुर. कासं

सीएम भजनलाल शर्मा ने पुलिसकर्मियों का वर्दी भत्ता और मेस भत्ता बढ़ाने से लेकर कई घोषणाएं की हैं। पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर राजस्थान पुलिस एकेडमी में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान सीएम ने पुलिसकर्मियों का वर्दी भत्ता 7000 हजार रुपए से बढ़ाकर 8000 रुपए करने की घोषणा की। कॉन्स्टेबल से इंस्पेक्टर स्तर तक पुलिस वालों का मेस भत्ता 2400 रुपए से बढ़ाकर 2700 रुपए किया जाएगा। पुलिस कॉन्स्टेबल से लेकर इंस्पेक्टर स्तर तक के पुलिसकर्मी अब रोडवेज की सेमी डीलक्स बसों में भी फ्री यात्रा कर सकेंगे। अबतक रोडवेज की एक्सप्रेस सेवा की बसों में ही फ्री यात्रा की सुविधा है। पुलिस के काम से प्रदेश या प्रदेश से बाहर जाने पर यह सुविधा मिलती है।

भत्तों में बढ़ोतरी करने के संकेत

सीएम भजनलाल शर्मा ने जेलकर्मी, होमगार्ड, नर्सिंगकर्मियों, पैरामेडिकल स्टाफ, वनकर्मियों और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के भत्तों में बढ़ोतरी करने के संकेत दिए। सीएम ने पुलिसकर्मियों के समय पर प्रमोशन के लिए सरकार के स्तर पर उचित कदम उठाने का आश्वासन दिया है।

सीएम ने मांगें पूरी करने की घोषणा की

इस साल के बजट में पुलिस वालों का मेस भत्ता और वर्दी भत्ता नहीं बढ़ाए जाने पर पुलिसकर्मियों ने नाराजगी जताई थी। मेस का बहिष्कार करने के बाद भारी विवाद हुआ था। बाद में डैमेज कंट्रोल के लिए वरिष्ठ पुलिस अफसरों को लगाया गया और मामले को शांत कराया गया था। सीएम ने बुधवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों की लंबित मांगों को पूरा करने की घोषणा की है।

रामायण की कथा को मिला सशक्त रंगमंचीय रूप

जयपुर. कासं

महावीर जी अतिशय क्षेत्र में महिला जागृति संघ की ओर से आयोजित पंच-दिवसीय भव्य समारोह के अंतर्गत, शशि जैन द्वारा लिखित और राजेंद्र शर्मा 'राजू' की ओर से निर्देशित नाटक 'सीता की अग्नि परीक्षा' का अत्यंत सशक्त और भावपूर्ण मंचन किया गया। इस नाटक में रामायण की प्रमुख घटनाओं को बड़े ही सुंदर और संवेदनशील ढंग से दर्शाया गया। सीता का बचपन, राम से विवाह, भामण्डल भाई से मिलन, वनवास, हनुमान द्वारा लंका में संदेश देना, लंका विजय, अयोध्या वापसी, और अयोध्या वासियों के संदेह के कारण सीता का वन गमन इन सभी घटनाओं को गहराई से प्रस्तुत किया गया। नाटक में लव-कुश का जन्म, उनका बाल्यकाल, राम से युद्ध, नारद द्वारा सच उजागर करना, राम द्वारा सीता को बुलाना, और अंत में सीता की अग्नि परीक्षा को अत्यंत प्रभावशाली अभिनय और भावनाओं के साथ मंचित किया गया। राम की भूमिका में गरिमा जैन, सीता की भूमिका में प्रियांशी रानू, लक्ष्मण की भूमिका में सरिता गंगवाल ने अपने भावपूर्ण और सशक्त अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर तालियां बटोरीं। अन्य कलाकारों में शारदा सोनी, निर्मला गंगवाल, दीपिका जैन, अनिला जैन, प्रियांशी जैन, निर्मला बैद, मीरा पपड़ीवाला, रेनू जैन, सुनिला जैन, निधि जैन, मानसी जैन, सिद्ध जैन, तारामणि, विजिया सोनी ने भी अपने-अपने पात्रों को बड़ी सहजता और संजीदगी से निभाकर दशकों से जुड़ी इस परंपरा को जीवंत रखा।

44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान महानुष्ठान में उनतीसवे दिवस दिन भक्ति भाव से हुई पूजा अर्चना

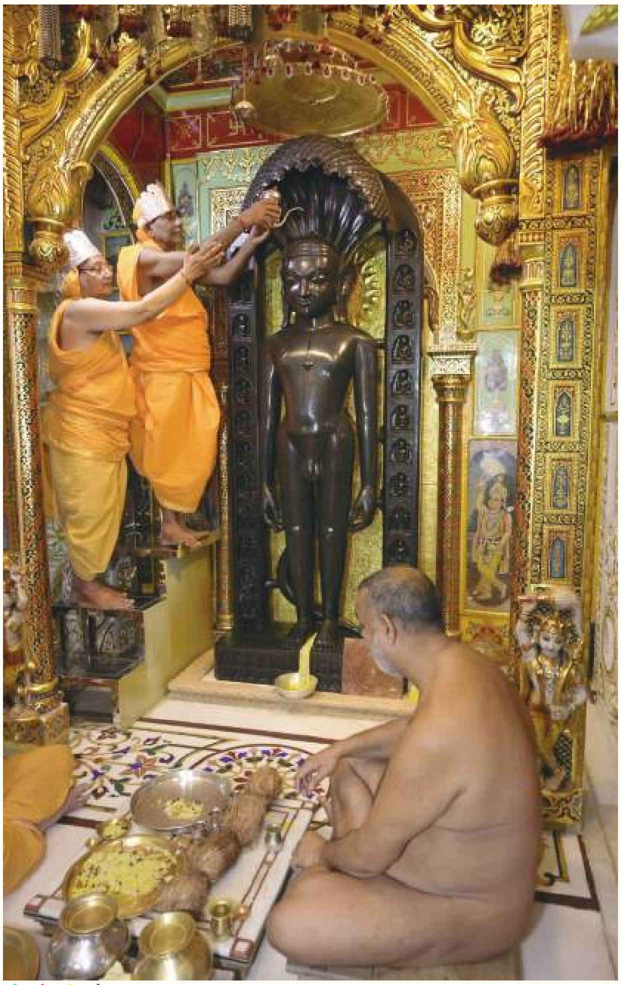

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य वात्सल्य रत्नाकर आचार्य श्री 108 विमल सागर जी महाराज के अंतिम दीक्षित शिष्य उपाध्यक्ष 108 श्री उर्जयंत सागर जी मुनिराज की प्रेरणा एवं सानिध्य में आज वैशाख कृष्णा द्वितीया दिनांक 15 अप्रैल 2025 को 44 दिवसीय कल्याण मंदिर विधान महानुष्ठान महानुष्ठान के उनतीसवे दिवस सर्वविघ्नोंपद्रव विनाशक, सर्व रोग शोक संकट हराए, सर्व तुष्टि पुष्टि कराए, सर्व आदि व्याधि दोष ग्रह निवारक कल्याण मंदिर विधान पुजा भक्ति भाव से नाचते गाते आनन्द पुर्वक सम्पन्न हुई। मन्दिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कमल दीवान ने बताया कि आज के विधान के मुख्य मुख्य पुण्यार्जक अशोक जैन, श्रीमती अल्का, अर्पित, आयुषी गोधा लदानावाले एवं प्रवीण (मैनेजर), श्रीमती बीना बज परिवार रहे। विधान की क्रियाएं पंडित पारस सौगाणी ने करवाई। इस अवसर पर परम पूज्य उपाध्याय श्री ने अपने प्रवचनों में कल्याण मंदिर विधान कि महिमा से अवगत करवाया। विधान में कार्यक्रम के मुख्य समन्वयक रुपेन्द्र (अशोक) छाबड़ा व संयोजक संतोष छाबड़ा ने आगंतुकों का तिलक लगा माला पहनाकर सम्मान किया। 4 वर्षीय बालक दक्षिक ने अपने मनमोहन मधुर भजनों, भक्ति नृत्य व गुरुभक्ति से सभी का दिल जीत लिया।मंदिर प्रबंध समिति के मंत्री श्री संजय गोधा ने बताया कि कल तीसवें दिवस दिनांक 16 अप्रैल 2025 को विधान के मुख्य पुण्यार्जक प्रेम चंद विनोद कुमार सौगाणी चनानी वाले परिवार रहेंगे।

गिलहरी और तोता : एक लघु संवाद

(आज सुबह लिखी गयी कविता)

वट-वृक्ष की शीतल छाया में,
बैठे थे दो प्राणी चुपचाप–
एक चंचला चपल गिलहरी,
दूजा हरा-पीला तोता आप।

थाली में कुछ दाने गिरे थे,
ना पूछी जात, ना वंश, ना गोत्र।
नहीं कोई मंत्र, न यज्ञ, न विधि,
बस भूख थी, और सहज भोग पात्र।

न वहाँ कोई 'ऊँच' का झंडा लहराया,
न 'नीच' के नाम पर थूक गिरा।
न रोटी को छूने से धर्म डिगा,
न पानी पर पहरा किसी ने दिया।

गिलहरी बोली–सखी! कैसा है तेरा कुल?
तोते ने मुस्काकर कहा–हम बस प्राणी हैं, सरल मूल।
पंख हैं, पेट है, और प्रेम की चाह,
और क्या चाहिए जीने को एक राह?

सुनकर यह, पेड़ भी झूम उठा,
हवा ने सरसराते हुए ताली बजाई।
पर दूर किसी गाँव की मिट्टी में,
मानव जाति ने फिर दीवार उठाई।

सगे भाई ने थाली अलग की,
बहन के हिस्से का जल रोका।
नाम मात्र का मानव बना वह,
पर भीतर था पशु से भी धोखा।

कैसा यह व्यंग्य रचा है सृष्टि ने,
जहाँ मनुष्य ज्ञान का अधिकारी है,
पर संवेदना में, प्रेम में,
एक तोते से भी हारी है।

प्रियंका सौरभ

श्री महावीर जी अतिशय क्षेत्र में सीता की अग्नि परीक्षा का हुआ सशक्त मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला जागृति संघ की और से अतिशय क्षेत्र श्री महावीर जी में आयोजित पंच-दिवसीय समारोह में शशी जैन द्वारा लिखित और राजेंद्र शर्मा राजू निर्देशित नाटक ''सीता की अग्नि परीक्षा'' का सशक्त मंचन किया गया । ''कथाकार'' नाटक में सीता का बचपन,राम से विवाह , भामण्डल भाई से मिलाप,राम के साथ वन में जाना, हनुमान का लंका जाकर संदेश देना विजय प्राप्त कर वापस अयोध्या आना । सीता का अपवाद की वजह से वापस जंगल में छोड़ ना पुंडरीकपुर में लव कुश का जन्म होना , लव-कुश का बड़ा होना ,राम से युद्ध करना नारद द्वारा बताना यह आपके ही पुत्र है सीता को वापस बुलाना और सीता द्वारा अग्नि परीक्षा देना बड़े ही सुन्दर ढंग से दशार्या गया। नाटक में राम की भूमिका में गरिमा जैन, सीता की भूमिका में प्रियांशी रानू और लक्ष्मण की भूमिका में सरिता गंगवाल ने अपने भावपूर्ण और सशक्त अभिनय से सभी को मंत्रमुग्ध कर तालियां बटोरी। नाटक में शारदा सोनी, निर्मला गंगवाल,दीपिका जैन, अनिला जैन,प्रियांशी जैन, निर्मला बैद, मीरा पपड़ीवाला, रेनू जैन, सुनिला जैन, निधि जैन, मानसी जैन, सिद्ध जैन, मंजू जैन, रमा जैन, प्रेमलता, मैना, तारामणि,विजिया सोनी, अपने पात्रों को सहजता से निभाकर दशकों से प्रशंसा पाई। नाटक में प्रार्थना, रति, मेंहू और योग्या ने बाल कलाकार की भूमिका निभाई । नाटक में कुसुम ठोलिया, साधना काला और शशि जैन ने अपने गायन से सभी को आनंदित किया।

वेद ज्ञान

जीवन और संस्कृति का अधार सत्य है

चरित्र मानव को देवता बनाता है। महान कार्य करने वाली चरित्र से युक्त रचनाएं सृष्टि को प्रभावित करने के कारण कालजयी बनती हैं। इन रचनाओं के चरित्र न केवल विश्व को प्रभावित करते हैं, बल्कि उन्हें नई दिशाओं में मोड़ते हैं। जीवन-चरित्र से राष्ट्र और समाज की सेवा करने की प्रेरणा मिलती है। प्रेरणा असंभव को संभव बनाकर अभाव में भाव भरती है। मन-वाणी और कर्म में एक ही भाव रखने वाले महात्मा होते हैं। जीवन और संस्कृति का आधार संस्कार और सत्य है। भारत में सत्य का प्रथम सफल उदाहरण सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र के जीवन में मिलता है। उन्होंने जो सत्य जिया, उसका संदर्भ आज भी उतना ही प्रासंगिक है। निष्काम कर्म कीर्तिवान बनाता है। सत्य के प्रति निष्ठा और सत्यव्रत के प्रति अनुराग इतिहास का एक अध्याय बनाता है। त्याग और सेवा का भाव राष्ट्रीय आदर्श उत्पन्न करता है। श्रेष्ठ कार्य करने के लिए संपूर्ण जीवन को समर्पित करना पड़ता है। अपार कष्ट सहने के बाद महानता मिलती है। हार न मानने वालों का जीवन सफलता के सूत्र का दर्शन कराता है। सत्य जीवन का मूल्य और आधार है। सत्य नित्य है। यह सबसे बड़ा मौलिक सद्गुण है। देवभूमि भारत पर संसार के सर्वश्रेष्ठ ऋषियों की चरण रज पड़ी। यहीं से हमारी सभ्यता-संस्कृति का जन्म और पोषण हुआ। सत्य में एक ऐसी अलौकिक मोहिनी शक्ति है जो मूक से मूक प्राणी को भी मुग्ध कर लेती है। जो प्राणी जितना ही अधिक संवेदनशील होता है, सत्य के प्रति भावनात्मक लगाव उतना ही अधिक होता है। सत्य बोलना सहस्त्र अश्वमेघ यज्ञ से बढ़कर है। बारह वर्ष तक सत्य बोलने से वाक्सिद्धि मिल जाती है। देवत्व के कारण ही आज सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र जाने जाते हैं। दूसरों के लिए वे आदर्श बन गए हैं। देवदुर्लभ मानव शरीर में देवत्व की समस्त शक्तियां और सामर्थ्य हैं। देवता और दानव के बाह्य शरीर में कोई अंतर नहीं है। दोनों के अंग-प्रत्यंग एक जैसे हैं, पर हमारी आंतरिक भावनाएं, सद्गुण, सात्विकता, सत्य और पवित्रता ही हमें देवत्व की ओर अग्रसर करती हैं।

संपादकीय

यूपीआई के जोखिम और चुनौतियां

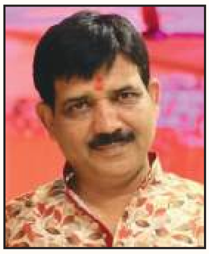

करीब एक दशक पहले किसी ने सोचा नहीं था कि यूपीआई से लेनदेन की नई प्रणाली उनकी जिंदगी बदल देगी। बहुत सारे लोगों के लिए धन हस्तांतरण से लेकर बिजली-पानी के बिलों को भरना और कहीं भी कुछ भी खरीदारी करना आसान हो गया। अब एक तरह से लोगों की जेब में बैंक है, जिसके जरिए वे कभी भी डिजिटल लेन-देन कर सकते हैं। मगर यूपीआई से भुगतान में कुछ जोखिम और चुनौतियां भी हैं, जिनका निवारण अभी तक नहीं किया जा सका है। कई तरह की ठगी, खाते से पैसे उड़ा लिए जाने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। मगर इसके अलावा लेन-देन में विफलता आम समस्या है जो आमतौर पर नेटवर्क की दिक्कत या 'सर्वर डाउन' हो जाने से पैदा होती है। हैरत की बात है कि पिछले कुछ समय से यूपीआई के जरिए लेन-देन में अड़चन की स्थिति बार-बार आने के बावजूद उसे दूर करने के ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं। यह विचित्र विरोधाभास है कि एक ओर नागरिकों को डिजिटल भुगतान के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, तो दूसरी ओर उन्हें तकनीकी खराबी का सामना करना पड़ रहा है। पिछले पंद्रह दिनों में तीसरी बार शनिवार सुबह जो दिक्कत शुरू हुई, वह दोपहर तक जारी रही। इस बीच सैकड़ों लोगों ने इसकी शिकायत की। सवाल है कि अगर बार-बार व्यवधान होगा, तो लोग डिजिटल लेन-देन को कैसे सुविधाजनक और सुरक्षित मानेंगे। यह सच है कि यूपीआई ने भारत में भुगतान परिदृश्य को पूरी तरह बदल दिया है। देश-दुनिया के किसी हिस्से में बैठा भारतीय अब यूपीआई के जरिए लेन-देन करने लगा है। बड़ी संख्या में एक वर्ग डिजिटल भुगतान में दक्ष हो गया है। मगर इस क्रम में साइबर जोखिम के साथ जो तकनीकी दिक्कतें सामने आ रही हैं, यह चिंता का विषय है। इससे उनका डिजिटल लेनदेन से विश्वास टूटेगा। उनमें ऐसी आशंका भी पैदा होंगी कि उनका भेजा पैसा कहीं अटक न जाए। ऐसे में लोग पारंपरिक भुगतान को फिर से प्राथमिकता देने लगेंगे। लगातार उन्नत हो रही तकनीक के बावजूद अगर डिजिटल लेन-देन में विफलता सामने आती है, तो जाहिर है कि इसमें कोई तकनीकी कमी है। ऐसे में डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे नागरिकों के कदम ठिठक सकते हैं।

परिदृश्य

उचित सुझाव

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम यानी मनरेगा बदलते वक्त और उभरती चुनौतियों के बावजूद आज भी प्रासंगिक है। इस कार्यक्रम के लागू होने के बाद लाखों मजदूरों को काम मिला। पलायन में काफी हद तक कमी आई। मनरेगा ने साबित किया कि भारत में आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के लिए वह आज भी उम्मीद की किरण है। इस कार्यक्रम से लाखों अकुशल श्रमिकों और महिलाओं को पूरे वर्ष में सौ दिन के रोजगार की गारंटी मिली। इससे बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार लाभान्वित हुए। यही वजह है कि इस कार्यक्रम में काम के दिन बढ़ाने की मांग अक्सर

उठती रही है। अब संसद की स्थायी समिति ने भी मनरेगा पर भरोसा जताते हुए काम के दिनों की संख्या बढ़ा कर पांच महीने यानी डेढ़ सौ दिन करने का सुझाव दिया है। इसके अलावा उसने दैनिक पारिश्रमिक कम से कम चार सौ रुपए करने की सिफारिश की है। दरअसल, अभी इस कार्यक्रम के तहत मिलने वाली मजदूरी इतनी कम है कि इससे न्यूनतम जरूरतें भी पूरी नहीं हो सकतीं। रोजगार योजना के लिए आबंटित राशि में लंबे समय से ठहराव पर समिति की चिंता इसी संदर्भ में है। कोई दो राय नहीं कि इसकी राशि बढ़ने से इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। हालांकि मनरेगा में वित्तीय अनियमितता की भी शिकायतें मिलती रही हैं। इसके प्रति श्रमिकों का रुझान घटने और मजदूरी देर से मिलने पर सवाल उठते रहे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज मंत्रालय की स्थायी समिति ने तीन साल पहले मनरेगा का विश्लेषण करते हुए कई सुझाव दिए थे। तब उस समिति ने भी इस कार्यक्रम को नया रूप देने के लिए काम के गारंटीशुदा दिनों को सौ से बढ़ा का डेढ़ सौ करने की सिफारिश की थी और सभी राज्यों में समान मजदूरी दर करने का सुझाव दिया था। अब संसद की समिति ने उन सुझावों पर एक तरह से मुहर लगाई है। अगर मनरेगा में नीतिगत सुधारों को लागू करने के लिए स्वतंत्र और पारदर्शी सर्वेक्षण होगा, तो इसके बेहतर परिणाम सामने आएंगे। भविष्य में इस कार्यक्रम से बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें दोराय नहीं कि मनरेगा ने अपनी सार्थकता साबित की है।

हे स्वामी नमोस्तु, हे माता जी वंदामि की गूंज से गूंजायमान हुई खरगोन नगरी

विस्तारवादी नीति से साधु धर्म का पालन नहीं होताः आचार्य विशुद्ध सागर

खरगोन. शाबाश इंडिया

खरगोन नगर का राधा कुंज सभागार,टैगोर पार्क कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस चौराहा सभी जगह दिगंबर जैन संत, आचार्य, मुनिराज, आर्यिका माताजी, एलक महाराज, क्षुल्लक महाराज,ब्रह्मचारी दीदी,भैया,दिखाई दे रहे हैं। चर्या शिरोमणि,धरती के देवता, आध्यात्म योगी आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रही भगवान महावीर मंदिर वेदी शिखर प्रतिष्ठा महोत्सव में आज प्रातः गणधर मुनि श्री विवर्धन सागर जी महाराज ससंघ व गणिनी आर्यिका विशिष्ट श्री माताजी का आगमन हुआ। खरगोन नगर की इतिहास में पहली बार आचार्य, मुनिराज, आर्यिका माताजी, ऐलक क्षुल्लक महाराज,ब्रह्मचारी दीदी,भैया, प्रतिमा धारी श्रावक-श्राविका, सहित लगभग 80 त्यागी वृन्द खरगोन की भूमि पर पधारे। गणधर मुनि श्री विवर्धन सागर जी महाराज आर्यिका माताजी की आगवानी धूमधाम से नगर वासियों ने की जो विकल्प मुक्त व संकल्प से युक्त है उसे संसार का कोई भी तूफान हिला नहीं सकता। श्रमाणाचार्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने अध्यात्म गंगा में समाहित कराते हुए आचार्य कुंदकुंद द्वारा लिखित समयसार ग्रंथ की प्राकृत गाथाओं के संदर्भ में कहा कि साधु समतावादी होता है, उसका सबके प्रति करुणा का भाव होता है, साम्राज्य परंपरा में साधु परंपरा नहीं है। राजा अपने साम्राज्य को बढ़ाने के लिए कुछ भी करता है, लेकिन साधु अपनी साम्य समता भाव के कारण जाना जाता है। महापुरुष कभी भी व्यर्थ बकवास नहीं करता, सज्जन पुरुष सभी जीवो के कल्याण के लिए कार्य करता है, जो सिद्धांतों के विपरीत मान्यता रखता है वह दुखी रहता है जो व्यक्ति या साधु विकल्प से मुक्त और संकल्प से युक्त होता है उसे संसार का कोई तूफान हिला नहीं सकता। हमेशा विवेकपूर्ण बोलना चाहिए। ध्यान रहे प्रज्ञाबल जिसके पास है बाहुबल उसका कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता। भारत का प्रज्ञाबल मेघा प्रचंड है, भारत के इंजीनियर, डॉक्टर सभी को विश्व में पसंद किया जाता है, भारत का अध्यात्म वस्तु का स्वभाव है, भारत में साधु होते हैं इसलिए धर्म यहां सुरक्षित है। भौतिक वस्तुओं में सुख नहीं है गणधर विवर्धन सागर गणाचार्य विराग सागर जी महाराज के शिष्य गणधर मुनि श्री विवर्धन सागर जी महाराज ने आचार्य विशुद्ध सागर जी के साथ हुए मिलन को सौभाग्यशाली बताया। उन्होंने कहा कि भौतिक वस्तुओं में सुख ढूंढने वाला कभी सुखी नहीं रह सकता है। सद कर्तव्यों का पालन करो, व्यसनों से दूर रहो, गुरू के चरणों के समीप रहो। दोनों संघों का आत्मीय मिलन देखकर श्रद्धालुओं ने हर्ष व्यक्त किया।

सोलह स्वप्नों की प्रस्तुति ने मन मोहा

सायं कालीन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति महिला मंडल द्वारा दी गई। विभिन्न साज सज्जा के साथ भगवान महावीर के पांच नाम की नाटिका नृत्य की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। प्रातः काल अभिषेक, शांति धारा, मंडल विधान,पूजन प्रतिष्ठाचार्य पंडित धर्म चंद्र शास्त्री ने संपन्न कराया। एक लाख पच्चीस हजार किलोमीटर पद विहार कर चुके हैं आचार्य विशुद्ध सागर जी मीडिया प्रभारी राजेंद्र जैन, महावीर आशीष जैन ने बताया कि आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने अपने 35 वर्षो के साधु काल में सर्वाधिक पद विहार किया है। वे संपूर्ण भारतवर्ष में अभी तक एक लाख पच्चीस हजार किलोमीटर पद विहार कर चुके हैं। उल्लेखनीय है कि दिगंबर जैन साधु 24 घंटे में मात्र एक बार विधि पूर्वक आहार जल ग्रहण करते हैं ।दिगंबर रहते हैं, पैदल पद विहार करते हैं, किसी भी तरह के वाहनों का उपयोग नहीं करते हैं, भीषण गर्मी में भी पंखा कूलर आदि किसी भी प्रकार के भौतिक संसाधनों का उपयोग भी नहीं करते हैं। भीषण तापमान में भी पैदल पद विहार करना आम जनों को आश्चर्य में डालता है, लेकिन उनका तप, त्याग, तपस्या के बल पर यह सब संभव हो पता है। सायं कालीन आरती करने का सौभाग्य चंदा बडजात्या ,मनीष रीना बड़जात्या ने व पाद प्रक्षालन चिंतामन जैन खंडवा, शास्त्र भेंट दयाचंद जैन खरगोन ने किया। गणाचार्य विराग सागर जी महाराज का चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन अरुण, तरुण, वरुण धनोते ने किया। आज वेदी में विराजेंगे तीर्थंकर भगवान वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव संयोजक अनिल जैन, महामंत्री अरुण धनोते ,कोषाध्यक्ष जितेंद्र जैन ने बताया कि 80 वर्ष प्राचीन मंदिर को जीर्णोद्धार कर नूतन मार्बल का मंदिर बनाया गया है जिसमें मूल नायक भगवान महावीर की प्रतिमा के साथ नव प्रतिष्ठित शांतिनाथ भगवान, सुमति नाथ भगवान, चंद्रप्रभ भगवान, शीतलनाथ भगवान, पदमप्रभ भगवान की प्रतिमाएं नूतन जिन मंदिर में प्रातः 9 बजे विराजमान की जाएगी। रथ यात्रा से मंदिर पहुंचेंगे आज प्रातः 7:00 बजे रथ यात्रा राधा कुंज परिसर से महावीर मंदिर पोस्ट ऑफिस चौराहा पहुंचेगी, जहां नूतन वेदी में भगवान विराजमान होने के बाद आचार्य विशुद्ध सागर जी के मंगल प्रवचन होंगे। समाज अध्यक्ष विनोद जैन, विजय जैन,प्रदीप जैन, अरुण धनोते, जितेंद्र जैन, अनिल जैन,सुनील जैन ठेकेदार,अरुण जेन ठेकेदार, पंकज गोधा, राकेश जैन,ने धर्म लाभ लेने की अपील की है।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

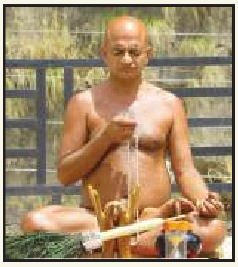

अल्मोड़ा. शाबाश इंडिया। अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज की कुलचाराम से बद्रीनाथ अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज 15/04/2025 जिला अल्मोड़ा उत्तराखंड में आहारचर्या में होंगी अंतर्मना ससंघ का निरंतर अष्टापद बद्रीनाथ धाम के लिए चल रहा पदविहार हार मत, ये मंजिलें तेरी परीक्षा तो लेगी.. तू मेहनत करेगा दिल से, तो शोर तेरी सफलता खुद मचा देगी..! ईर्ष्या एक दीमक है, जो जीवन को भीतर ही भीतर खोखला कर देती है। किसी की प्रसिद्धि से हम जले नहीं, बल्कि प्रेरणा लें कि हमें भी जीवन में कुछ करना है,, जिससे औरों को भी प्रेरणा मिल सके। साधु सन्तों में कुछ ऐसे साधु भी है जिन्हें मेरा तप, त्याग, मौन, एकान्त में रहना हजम नहीं हो रहा। उनसे तप, त्याग की अनुमोदना की उम्मीद करना बेकार है। मेरे पास कुछ ऐसे आचार्यों और साधु, सन्त, त्यागी, व्रतियों के नाम है जो दिल खोलकर तप, त्याग, मौन साधना की अनुमोदना और प्रशन्सा करते हैं। मैं तपस्वी सम्राट आचार्य श्री सन्मति सागर जी गुरूदेव की कृपा-प्रेरणा से तप, त्याग, साधना को विश्व व्यापी बना रहा हूँ। अब जिसको भी देखो, साधु समाज हो या श्रावक समाज, अपनी शक्ति अनुसार व्रत, उपवास, संकल्प को लेकर अपना मोक्ष मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।जो स्वयं को जलाकर जग को रौशन करे, वो दीप-धर्म है, और जो स्वयं को तपाकर दुनिया को जगा दे, वो सन्त धर्म है। समत्व की साधना ही सन्त धर्म है। समता से विच्छिन्न होने के दो कारण है। एक - अपने ही किसी साधर्मी भाई की सफलता को पचा नहीं पाना, और दूसरा - अपनी स्वयं की आलोचना सहन नहीं कर पाना। क्योंकि सन्त, सांड और सम्राट को उद्वेलित होने में ज्यादा वक्त नहीं लगता। ये तब होता है जब हमारी अपेक्षाओं की उपेक्षा होती है। ध्यान रखना! सन्त के जीवन में केवल वाही वाही के फूल नहीं बरसते हैं, वरन निंदा आलोचना की कीचड़.भी उछाली जाती है।

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम का शपथ ग्रहण समारोह एवं हास्यरंग संपन्न

उदयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न हुआ। जैन सोश्यल ग्रुप प्लेटिनम के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत ने बताया कि ग्रुप के कार्यकाल 25-27 की नवीन कार्यकारणी का शपथ ग्रहण समारोह एवं हास्यरंग का आयोजन दिनांक 13 अप्रैल 2025, रविवार को रसम रिजॉर्ट में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में चेयरमैन मेवाड़ रीजन अरुण मांडोत,पूर्व उपमहापौर नगर निगम उदयपुर पारस सिंघवी, जोन कोऑर्डिनेटर सुनील गांग की उपस्थिती रही। ग्रुप अध्यक्ष विपिन जैन ने बताया की कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई, सभी का स्वागत उपरना, मेवाड़ी पगड़ी व प्रतीक चिन्ह देकर किया गया।इसके पश्चात ग्रुप की महिला सदस्यों शुभी धन्नावत,प्रमिला कावड़िया,इतिश्री जैन ,अस्मिता जैन ,ध्रुविका जैन द्वारा मंगलाचरण की प्रस्तुति दी गई , साथ ही शपथ पश्चात महिला सदस्यों खुशबू सुराणा,सोनल कोठारी,किरण जैन,कल्पा जैन, बिंदु जैन,आरती मेहता,काजल खाब्या,वर्षा मेहता,प्रीति जैन द्वारा पाश्चात्य संस्कृति के दुष्प्रभाव पर एक लघु नाटिका की प्रस्तुति दी गई ।सचिव सुमित खाब्या ग्रुप ने बताया कि ग्रुप में 8 नव दम्पति सदस्यो की शपथ व पिन सेरेमनी चेयरमैन मेवाड़ रीजन अरुण मांडोत और जॉन कॉर्डिनेटर सुनील गांग द्वारा कराई गई ।कार्यकारिणी सदस्य मनोज जैन, कल्पेश जैन, सुनील जैन, नितिन कोठारी, अभिषेक जैन, कपिल जैन, आशीष किकावत, चंद्रप्रकाश जैन, किरण जैन, सोनल कोठारी, खुश्बू सुराणा, पूनम जैन, ज्योति टीमरवा की शपथ पूर्व रीजन चेयरमैन व इंटरनेशनल डायरेक्टर अनिल नाहर द्वारा करवाई गई। नव निर्वाचित बोर्ड सदस्यों में तनुजय जैन इलेक्ट प्रेसिडेंट, सुमित खाब्या को उपाध्यक्ष, राहुल अखावत को सहसचिव, हेमेंद्र जैन को कोषाध्यक्ष, गीतेश जैन को पीआरओ एडमिन और पंकज सुराणा को पीआरओ ग्रीटिंग्स के पद की शपथ पूर्व उपमहापौर उदयपुर पारस सिंघवी द्वारा कार्यकाल 25-27 के लिए दिलाई गई। ग्रुप सचिव सुमित खाब्या द्वारा कार्यकाल 23-25 में किए गए कुल 35 कार्यो का ब्यौरा सदन में उपस्थित गणमान्य नागरिकों के समक्ष रखा गया। नव निर्वाचित अध्यक्ष पंकज जैन और सचिव लोकेश जैन की शपथ मेवाड़ रीजन चेयरमैन अरुण मांडोत द्वारा करवाई गई । अपने उदबोधन के अंतगर्त अपने ही अंदाज में प्लेटिनम शब्द के सभी अक्षर की व्याख्या कर, उपस्तिथ सभी सम्मानीय सदस्यो को अर्थ समझाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष पंकज जैन ने बताया की कार्यक्रम में मेवाड रीजन के पदाधिकारी में चेयरमैन अरुण मांडोत, इंटरनेशनल डायरेक्टर अनिल नाहर, चेयरमैन इलेक्ट पारस ढेलावत, वाईस चेयरमैन हिमांशु मेहता, सचिव आशुतोष सिसोदिया, सहसचिव पूरणमल मेहता, पीआरओ एडमिन अर्जुनलाल खोखावत,ग्रुप जोन कॉर्डिनेटर सुनील गांग व अन्य जेएसजी ग्रुप, संगिनी फॉरम के पदाधिकारी, ग्रुप दंपती सदस्यों के माता पिता व ग्रुप परिवार के दंपती सदस्यों व बच्चों सहित कुल 325 सदस्यों की उपस्थिति रही। पंकज जैन ने बताया की इस कार्यकाल में एक जीव दया कोष हेतु एक पात्र बनाया जाएगा जिसके अंतर्गत वर्ष भर में एकत्रित हुई राशि से फरवरी माह में सेवा कार्य किया जाएगा, साथ ही 12 चिंहित मंदिर और उपासरों में प्रतिदिन पक्षियों के लिए मक्की व दाने की व्यवस्था कराई जाएगी। शपथ पश्चात निवर्तमान अध्यक्ष विपिन जैन और सचिव सुमित खाब्या द्वारा नव निर्वाचित अध्यक्ष पंकज जैन, सचिव लोकेश जैन व संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत को मेवाड़ रीजन में वाईस चेयरमैन बनने पर उपरणा व मेवाड़ी पगड़ी पहनाकर स्वागत किया गया। कवि सम्मेलन ''हास्यरंग'' कार्यक्रम में ग्रुप सदस्य एवं संचालक कमलेश जैन के द्वारा काव्यपाठ किया गया जिसमें भगवान महावीर के सिद्धांतों पर रचितअपनी कविता को भी प्रस्तुत किया, वीर रस कवि सिद्धार्थ देवल,उदयपुर ने राणा सांगा पर की गई टिप्पणीयो एवं सम्मेद शिखर पर काव्य पाठ कर श्रोताओं को मंत्रमुंध कर दिया, वही हास्य कवि कानू पंडित,नाथद्वारा द्वारा मेवाड़ी भाषा में काव्य पाठ कर माहौल को हास्य से भरपूर कर दिया, हास्य कवि मनोज गुर्जर,मावली ने भी अपनी हास्य कविताओं से श्रोताओं को खूब हँसाया एवं सभी श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर दिया। अंत में नव निर्वाचित सचिव लोकेश जैन ने बताया कि कार्यकम में ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष जितेन्द्र हरकावत, पूर्व अध्यक्ष प्रितेश जैन, मुकेश चपलोत, आशीष रत्नावत, निवर्तमान अध्यक्ष विपिन जैन, इलेक्ट प्रेसिडेंट तनुजय जैन, उपाध्यक्ष सुमित खाब्या, सहसचिव राहुल अखावत, कोषाध्यक्ष हेमेंद्र जैन, पीआरओ एडमिन गीतेश जैन, पीआरओ ग्रीटिंग्स पंकज सुराणा, पूर्व पीआरओ ग्रीटिंग्स हेमन्त सिसोदिया व कार्यकारिणी सदस्य सहित ग्रुप के सभी सम्मानीय सदस्यों की उपस्तिथि रही अंत मे शब्दो द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

संजय सपना जैन छाबड़ा हुए सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोश्यल ग्रुप महानगर के निवर्तमान अध्यक्ष संजय सपना छाबड़ा आवा का एक भव्य समारोह में सम्मान किया गया। महानगर ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष रवि जैन ने बताया कि ग्रुप के सभी पूर्व अध्यक्षों ने संजय सपना जैन को उनकी विगत चार वर्ष में ग्रुप में दी गई सेवाओं के लिए शाल, माला व साफा पहनाकर स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किया।

महामासिक मिलन, सम्मान समारोह एवं शपथ ग्रहण समारोह कार्यक्रम संपन्न

सामाजिक एकता, जैन मिलन का मूल उद्देश्य - कमलेंद्र जैन

मनीष जैन विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

शाहगढ। भारतीय जैन मिलन क्षेत्र क्रमांक 10 के अंतर्गत जैन मिलन, महिला जैन मिलन शाहगढ के तत्वावधान में आयोजित महामासिक मिलन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम श्री पारसनाथ दिगंबर जैन मंदिर, पारस विहार कॉलोनी शाहगढ से संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेन्द्र जैन, विशिष्ट अतिथि वीर अरुण चंदेरिया क्षेत्र अध्यक्ष,वीर संजय जैन शक्कर क्षेत्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, इंजी. महेश जैन एस.डी.ओ राष्ट्रीय संयोजक,वीर मनीष विद्यार्थी क्षेत्र प्रचार मंत्री मंचासीन रहे। सर्वप्रथम महावीर प्रार्थना के साथ प्रारभ हुआ, चित्रानावरण, मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्वलन महिला मिलन द्वारा किया गया। मंचासीन अतिथियों का सम्मान जैन मिलन शाहगढ के अध्यक्ष वीर रानू जैन, मंत्री वीर राकेश जैन, कोषाध्यक्ष वीर प्रकाश जैन पत्रकार, संयुक्त मंत्री वीर डॉ सौरभ जैन,प्रचार मंत्री वीर गगन जैन द्वारा शाल श्रीफल स्मृति चिन्ह द्वारा किया गया।स्वागत भाषण महिला मिलन अध्यक्ष वीरांगना सुरक्षा जैन एवं स्वागत गीत पाठशाला के बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद जैन मिलन एवं महिला मिलन की शाखाओ का 2025- 26 सत्र का नई नवीन कार्यकारिणी का शपथ क्षेत्रीय अध्यक्ष अतिवीर अरुण चंदेरिया सागर ने दिलवाई। भारतीय जैन मिलन के भगवान महावीर जन्मोत्सव के अवसर पर महामासिक मिलन जिसमें समाज की सभी संस्थाओं के अध्यक्ष/ पदाधिकारीओं का सम्मान किया गया,जिसमें पंचायती मंदिर अध्यक्ष सेठ भागचंद जैन, शांति विहार मंदिर मंत्री राजकुमार जैन शिक्षक, गौशाला अध्यक्ष देवेंद्र जैन हलावनी, योगेश समैया, सिंघई बिलैया मंदिर अध्यक्ष शैलेश बिलैया, जैन मंदिर बगरोही अध्यक्ष मोनू जैन, पारसनाथ दिगंबर जैन मंत्री मुकेश जैन सादपुर, पाठशाला की बहनें एवं महिला मंडल के अध्यक्ष/ मंत्री का सम्मान किया गया।कार्यक्रम के दौरान अहिंसा प्रश्नोत्तरी लकी ड्रा भी निकल गया जिसमें प्रथम, द्वितीय,तृतीय, चतुर्थ एवं पंचम के अलावा 25 संत्वाना पुरस्कार लकी ड्रा के माध्यम से निकल गए और प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। ड्रा संयोजन महिला मिलन मंत्री वीरांगना प्रीति दलीपुर, कोषाध्यक्ष वीरांगना सोनिका जैन प्रचार मंत्री वीरांगना प्रीति खटोरा का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इन्होंने कहा क्षेत्रीय अध्यक्ष अरुण चंदेरिया जी ने जैन मिलन के विषय में स्थापना से अब तक एवं जैन मिलन के कार्यों के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजक एवं क्षेत्रीय प्रचार मंत्री

मनीष विद्यार्थी ने बताया कि जैन मिलन ने पिछले वर्ष महावीर निर्माण वर्ष के नाम से मनाया भगवान महावीर संदेशों को जन-जन तक पहुंचानें के उद्देश्य को लेकर अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए।इस वर्ष पुनः तीर्थ रक्षा बर्ष 2025- 26 पर अनेक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अतिवीर कमलेंन्द्र जैन ने कहा भारतीय जैन मिलन कि भारत में 1500 से ज्यादा शाखाएं हैं इसके अलावा भारत से बाहर सात देशों में भी जैन मिलन की शाखाऐं हैं। जैन मिलन का मूल उद्देश्य सामाजिक एकता है ये जैन पंथ परंपराओं को एक मंच पर लाना हैं। अंत में नगर के सभी वरिष्ठ जनों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की।

दिगंबर जैन समाज लाडनूं के त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न

सुनील पाटनी अध्यक्ष विकास पांड्या मंत्री चुने गए

लाडनूं. शाबाश इंडिया। दिगंबर जैन समाज लाडनूं की कार्यकारिणी व पदाधिकारियों के त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्ष के पद पर सुनील पाटनी, उपाध्यक्ष अशोक सेठी, भागचंद जैनाग्रवाल, व सुरेंद्र सेठी मंत्री विकास पांड्या, उप मंत्री रोबिन बड़जात्या व अंकुश सेठी तथा कोषाध्यक्ष पद पर राजेश कासलीवाल का चयन हुआ। समाज की कार्यकारिणी का चुनाव समाज के प्रत्येक घर के एक श्रावक के मतदान के आधार पर हुआ जिसमें धर्मचंद गोधा, शांतिलाल पाटनी, अशोक सेठी, निर्मल पाटनी, महेंद्र सेठी, सुभाष गंगवाल, राजेश कासलीवाल विकास पांड्या, भागचंद जैनाग्रवाल, आकाश कासलीवाल, सुरेंद्र सेठी, रोबिन बड़जात्या, आकाश टिंकू, राज पाटनी प्रदीप सेठी तथा आशीष सेठी विजयी रहे। नव निर्वाचित कार्यकारिणी के द्वारा मनोनीत सदस्य के पद पर चांद कपूर सेठी, महावीर पहाड़िया शिलोंग, सुनील पाटनी जयपुर, जय सिंह गंगवाल गुवाहाटी, अशोक पाटनी कोलकाता, भागचंद बड़जात्या डीमापुर तथा सुरेंद्र पाटनी जयपुर चुने गए। चुनाव की संपूर्ण प्रक्रिया सुभाष बड़जात्या व राजेश जैन के द्वारा संचालित की गई। जैन भवन में आयोजित चुनाव सभा में नव निर्वाचित कार्यकारिणी सदस्यों, पदाधिकारियों व चुनाव अधिकारियों को जैन दुपट्टे व करतल ध्वनी से सम्मानित किया गया।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

श्री पार्श्वनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया

भगवान को हृदय में रखते उनके गुणगान पूजन करने वाले सच्चे भक्त कहलाते हैं : ऐलक क्षीरसागर महाराज

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में श्री पार्श्वनाथ भगवान का गर्भकल्याणक दिवस मनाया। अध्यक्ष लक्ष्मीकांत जैन ने बताया कि प्रातः श्री शांतिनाथ एवं पार्श्वनाथ भगवान का महामस्तकाभिषेक कर क्षीरसागर महाराज के मुखारविंद से शांतिधारा का पाठ वाचन द्वारा लक्ष्मीकांत जैन, अशोक पाटोदी, विकास गंदेरिया, चिरंजीलाल अग्रवाल, पूनम चंद सेठी ने शांतिधारा की। इस उपरांत ऐलक क्षीरसागर महाराज ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान को हृदय में रखते उनके गुणगान पूजन करते हैं, वही सच्चे भक्त कहलाते हैं। भक्ति में शक्ति होती है। क्योंकि यह परमात्मा से मिलने का साधन है। भक्ति में अनंत शक्ति होती है। भक्ति से आत्मिक संतोष और आंतरिक शक्ति मिलती है। भक्ति से भक्त का शारीरिक और मानसिक विकास होता है। उन्होंने कहा कि भगवान सत्य व प्रेम का रूप है। धर्म के नियमों की पालना करें। भगवान के प्रति समर्पित होने पॉजिटिव एनर्जी मिलेगी। सकारात्मक विचारों से धर्म का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रचार मंत्री प्रकाश पाटनी ने बताया कि प्रतिदिन शांतिधारा के बाद ऐलक क्षीरसागर का प्रवचन, दिन 3 बजे धर्म चर्चा, आरती के बाद धर्म उपदेश , रात्रि 9 बजे वृयावृत्ति होगी। पाटनी ने बताया कि मंगलवार को क्षीरसागर महाराज का आहार पूनम चंद सेठी परिवार के यहां हुआ।

तैबीसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ का मनाया गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्लास पूर्वक

फागी. शाबाश इंडिया

कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाडा, चोरू, नारेड़ा, मंडावरी, मेहंदवास, निमेडा, लसाडिया तथा लदाना सहित कस्बे के जिनालयों मे जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव हर्षोल्ल्लास पूर्वक मनाया ,कार्यक्रम में जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कस्बे के बीचला मंदिर पार्श्वनाथ जिनालय में प्रातः श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा करने बाद अष्टद्रव्यों से पूजा अर्चना कर देश की सर्वोच्च साध्वी गणिनी आर्यिका ज्ञानमति माताजी का 70 वां दीक्षा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया, कार्यक्रम में आचार्य वर्धमान सागर महाराज, समाधिस्थ आचार्य विद्यासागर महाराज, गुणसागर महाराज सहित विभिन्न पूवार्चार्यों के अर्घ्य अर्पित करने के बाद जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर देवाधिदेव पार्श्वनाथ भगवान का गर्भ कल्याणक महोत्सव का जयकारों के साथ अर्घ्य चढ़ाकर विश्व में सुख समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की गई, कार्यक्रम में वयोवृद्ध संतरा चोधरी एवं विश्वलता चोधरी ने संयुक्त रूप से बताया कि पार्श्वनाथ भगवान जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर थे , उनका जन्म वाराणसी में इक्ष्वाकु वंश के राजा अश्व सेन और रानी वामा देवी के घर हुआ था ।कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष महावीर झंडा ,पंडित संतोष बजाज, पंडित कैलाश कडीला , सुरेंद्र चौधरी, राजेंद्र मोदी,राजेंद्र चौधरी, विमल कलवाड़ा,विमल चौधरी, प्रिंस चौधरी, कमलेश चोधरी,राजाबाबू गोधा तथा संतरा चोधरी,गुणमाला चौधरी, संजू चौधरी, विश्व लता चौधरी,इलायची देवी मोदी, मंजू चौधरी, आशा मोदी,सुरभि चौधरी , टीना मोदी,तथा ललिता बजाज सहित सभी श्रावक श्राविकाएं मौजूद थे।

मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा भव्य अखण्ड रामायण संपन्न हुआ

अयोध्या. शाबाश इंडिया

दिव्य पौराणिक सुग्रीव किला में मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा भव्य अखण्ड रामायण संपन्न हुआ जिसमें 500 से ज्यादा संत और कई हजार भक्त सम्मलित हुए और भारी संख्या में नेता भी उपस्थित हुए। मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के सभी पदाधिकारियों ने आए हुए सभी अतिथियों का सम्मान किया। मानस परिवार सेवा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संस्थापक प्रमोद पाण्डेय व सुग्रीव किला के अध्यक्ष गुरू महाराज और मुम्बई के अध्यक्ष सुर्यकांत तिवारी ,योगेश पाठक ,अतुल शुक्ला , पंकज पांडेय आदि सभी का ध्यान रख रहे थे और सभी को रहने और खाने की व्यवस्था कर रहे थे। मानस परिवार सेवा ट्रस्ट द्वारा आयोजित अखंड रामचरित मानस पाठ में बड़ी छावनी के महंत परमहंस महाराज और ,गिरिश त्रिपाठी महाराज, कमल नयन महाराज , आदि संतों का आगमन पौराणिक सुग्रीव किला में हुआ और अखण्ड रामायण संपन्न होने के बाद महा हवन व आरती , भजन किर्तन भी किया गया। आए हुए अतिथियों का सम्मान अंग वस्त्र श्रीफल व पुष्प गुच्छ देकर किया गया जिसमें मुम्बई से पधारे पत्रकार ओज कवि लक्ष्मीकांत कमल नयन को अंगवस्त्र व श्रीफल पुष्प गुच्छ देकर संस्था ने सम्मानित किया। सम्मान समारोह के बाद 501 संतो को भोजन कराया गया और उन्हें दक्षिणा देकर संस्था पदाधिकारियों ने आशीर्वाद लिया तथा हजारों भक्तों ने महाप्रसाद लिया । महा प्रसाद सम्पन्न होने के बाद संस्था के संस्थापक प्रमोद पाण्डेय ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मित्तल हॉस्पिटल में रेडियोलॉजी विभाग हुआ अपग्रेड

मरीजों को मिली उन्नत तकनीक की एमआरआई मशीन

अजमेर. शाबाश इंडिया

मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अजमेर ने अपने रेडियोलॉजी विभाग को अपग्रेड किया है। अब रोगियों को 1.5 टेस्ला मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) मशीन से शरीर के अंदर की बेहतर छवियां उपलब्ध होंगी,जिससे रोगी का सटीक उपचार संभव हो सकेगा। मित्तल हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस के जैन ने मीडिया को जानकारी दी कि निदेशक सुनील मित्तल, डॉ दिलीप मित्तल, मनोज मित्तल एवं सार्थक मित्तल ने हॉस्पिटल के चिकित्सक गण, अधिकारियों और तकनीकी स्टाफ की उपस्थिति में अपग्रेड एमआरआई विभाग का फीता काटकर शुभारंभ किया। इससे पूर्व उदयपुर अमेरिकन हॉस्पिटल एंड मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ रामवीर सिंह ने हॉस्पिटल के सभागार में आयोजित तकनीकी संगोष्ठी(सीएमई) में उन्नत तकनीक की एमआरआई मशीन की कार्य प्रणाली और खूबियों के बारे में पावर प्रजेंटेशन के जरिए विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मशीन रोगी को स्कैन करने में समय कम लेती है और इमेज क्वालिटी बेहतरीन देती है। उन्होंने बताया कि हॉस्पिटल के एमआरआई विभाग का डिजाइन इस तरह किया गया है कि रोगी को वहां का माहौल अनुकूल महसूस होगा। इस मौके पर मित्तल हॉस्पिटल की रेडियोलॉजिस्ट डॉ गरिमा खींची ने बताया कि अपग्रेड एमआरआई मशीन का रोगियों को काफी लाभ मिलने वाला है। एमआरआई (मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग) एक प्रकार का स्कैन है जिसका उपयोग डॉक्टर शरीर के अंदर हड्डियों, ऊतकों और अंगों की बेहतर व विस्तृत छवियां देखने के लिए करते हैं। एमआरआई अत्यधिक विस्तृत चित्र बनाने के लिए मजबूत चुंबकीय क्षेत्र और रेडियो तरंगों का उपयोग करता है, जो सीटी स्कैन या एक्स-रे की तुलना में बहुत अधिक विस्तृत होते हैं। उल्लेखनीय है कि एमआरआई तब जरूरी हो जाता है जब सीटी स्कैन या एक्स-रे से रोगी की बीमारी के कारण के बारे में पर्याप्त जानकारी नहीं मिलती। एमआरआई से कई स्थितियों का पता आसानी से लग सकता है और शरीर के उन हिस्सों की स्पष्ट तस्वीरें मिल जाती हैं जिन्हें एक्स-रे, सीटी स्कैन या अल्ट्रासाउंड अच्छी तरह से नहीं दिखा पाते हैं। यह मस्तिष्क, रीढ़, जोड़ों, उपास्थि, स्नायुबंधन, टेंडन की जांच करने और संक्रमण, सूजन या ट्यूमर का पता लगाने के लिए बेहद उपयोगी है। निदेशक डॉ दिलीप मित्तल ने इस मौके पर रेडियोलॉजी विभाग की नई टीम को पूर्ण निष्ठा और रोगी के प्रति जिम्मेदारी के समर्पण भाव से सेवा करने के लिए प्रेरित किया व शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मित्तल हॉस्पिटल अपने ध्येय वाक्य आपका स्वास्थ्य संरक्षण पर खरा उतरते हुए विगत 20 सालों से रोगियों के विश्वास पर एक ही छत के नीचे समस्त स्वास्थ्य सेवाएं देने को संकल्पित है। इस अवसर पर वाइस प्रेसीडेंट सीए डॉ श्याम सोमानी, डीजीएम विजय रांका, एमएस डॉ जे एल गार्गिया, वीपीओ डॉ विद्या दायमा, रेडियोलॉजिस्ट डॉ गरिमा खींची, डॉ प्रगति गक्खड़,नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट राजेन्द्र गुप्ता सहित अनेक अधिकारी उपस्थित थे।

मानव सेवार्थ कार्यक्रम में गुलाबीनगर ग्रुप व शुभम केयर हॉस्पिटल सम्मानित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन राजस्थान रीजन जयपुर के तत्वावधान में दिगंबर जैन सोशल ग्रुप सन्मति द्वारा स्व राजेंद्र के गोधा जी समाचार जगत की पुण्य स्मृति में चतुर्थ जीवन रक्षक सम्मान समारोह एवं 48 मंडलिय भक्तामर स्तोत्र अनुष्ठान , दिनांक 9 अप्रैल 2025 को सांय 7:00 बजे से भट्टारक जी की नसियां में भगवान आदिनाथ जयंती से महावीर जयंती तक मानव सेवार्थ आयोजित रक्त दान शिविर में गुलाबीनगर ग्रुप व शुभम केयर हॉस्पिटल में 63 यूनिट ब्लड एकत्रित किया गया। गुलाबीनगर ग्रुप व शुभम केयर हॉस्पिटल का सम्मान किया गया। ग्रुप के संरक्षक सुरेंद्र पांड्या, अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, कोषाध्यक्ष निर्मल सेठी, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज, विशिष्ट सलाहकार पदम भांवसा, सह सचिव राजेन्द्र छारेडा, सांस्कृतिक सचिव प्रकाश कांता पाटनी, सुनील मीना काला , विनोद किरण झांझरी, चंदा चंद्रप्रकाश छाबडा सदस्यों ने आरक्षित मंडल 14 पर भक्तामर अनुष्ठान में दीप प्रज्वलन कर पुण्य लाभ लिया। अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

अंबेडकर जयंती पर हुआ कार्यक्रम

कोलकाता. शाबाश इंडिया

कोलकाता महानगर की सामाजिक व साहित्यिक संस्था ' जन साहित्य चेतना विचार मंच ' ने भारतीय संविधान निमार्ता, भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती का पालन कवि रवीन्द्रनाथ ठाकुर व्यायाम केन्द्र में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में शामिल विभूति राम ने कहा कि छुआछूत को वे हिन्दू समाज को अपराध मानते थे। डॉ अंबेडकर ने भारतीय समाज में प्रचलित वरण व्यवस्था, जाति प्रथा अस्पृश्यता का विरोध किया। डॉ अनिरुद्ध प्रसाद राय ने कहा कि अंबेडकर ने हमेशा स्त्री-पुरुष समानता का व्यापक समर्थन किया। संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश कुमार धानुक ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के समान अवसर उपलब्ध होने चाहिए और यह किसी भी समाज की प्रथम जिम्मेदारी होनी चाहिए। राजेन्द्र द्विवेदी ने कहा कि अंबेडकर अपने समय के सबसे विद्वान भारतीय राजनीतिज्ञ थे और संविधान की ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष थे। सत्य प्रकाश दुबे ने कहा कि अंबेडकर साहब संविधान के शिल्पकार और संविधान निमार्ता थे। सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र में उन्होंने देश समाज को आगे ले जाने की चेष्टा की। निःसंदेह उन्होंने समाज के दलितों के उत्थान के लिए आरक्षण की व्यवस्था की। समारोह को संबोधित करते हुए प्रधान वक्ता शिव शंकर सिंह 'सुमित 'ने कहा कि बाबा साहब सामाजिक क्रान्ति के अग्रदूत थे। उन्होंने भारतीय समाज को परिवर्तित करने हेतु अतुलनीय कार्य किया। एक निष्ठ कर्मयोगी की भांति भारत रत्न बाबा साहब कर्मयोग, संघर्ष एवं सुधारवाद आत्म सम्मान का प्रतीक है। कार्यक्रम के अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार विश्वंभर नेवर ने अपने भाषण में कहा कि इस महामानव ने भारतीय हिन्दू समाज में व्याप्त कुरीतियों को मिटाने, परिवर्तित करने और दलितों, वंचितों के उत्थान समानता एवं सम्मान के लिए जिस निष्ठा तथा समर्पण भाव से संघर्ष एवं प्रयास किया। उन्होंने यह भी कहा कि हजार तलवारों से ज्यादा ताकत एक कलम में होती है और वह ताकत उनकी लेखनी में होती थी। दूसरे चरण में काव्य का दौर चला जिसमें धर्म दुबे, जतिब हयाल, विजय शर्मा 'विद्रोही 'गणेश प्रसाद राजभर, श्वेता गुप्ता 'श्वेतांबरी, मनीषा गुप्ता, मोहम्मद अय्यूब ने रचनाएँ सुनाकर खूब तालियां बटोरीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार रणजीत भारती, मुख्य अतिथि राम पुकार सिंह 'पुकार गाजीपुरी' मंचासीन थे।

फीजीओथेरेपिस्ट डा .रवि पथरिया नसीराबाद स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की पूर्व डीन द्वारा हुए सम्मानित

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद। जयपुर हॉस्पिटल कॉलेज ऑफ फिजियोथेरेपी का एल्युमीनाई मीट जयपुर के रामाडा बाई होटल मे आयोजित किया गया जिसमे कॉलेज से पास हुए सभी फिजियोथेरेपिस्ट सालो बाद अपने दोस्तों, सीनियर, जूनियर व टीचर से मिले व पुरानी यादो को ताजा किया ।जिस से उन्हें फिर से ऐसा लगा जैसे वे सब छात्र बन गए हो, कार्यक्रम मे 100 से अधिक फिजियोथेरेपिस्ट चिकित्सक शामिल हुए। कार्यक्रम मे नसीराबाद के डॉ रवि पथरिया को 13 सालो से फिजियोथेरेपी के क्षेत्र मे उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ सुनीता शर्मा (पूर्व डीन फिजियोथेरेपी विभाग)राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम मे सभी ने अपने गुरुजनो का आशीर्वाद लेकर फिर से जल्दी मिलने के वादा किया व नम आँखों के साथ एक दूसरे से विदाई ली।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा जनाना चिकित्सालय में 2 व्हीलचेयर व बेबीकिट वितरण

जयपुर. शाबाश इंडिया। महावीर स्वामी जन्म कल्याणक महोत्सव पर दिनाँक 10 अप्रैल 2025 को गुलाबीनगर ग्रुप द्वारा सदस्यों के सहयोग से जनाना चिकित्सालय के वार्ड में भर्ती मरीजों के नवजात बच्चों को बेबीकिट वितरण किया। हॉस्पिटल में 22 वार्ड में 554 बेड हैं। हॉस्पिटल में मरीजों की सहायतार्थ 2 फोल्डिंग व्हीलचेयर भी दी गई। आज के कार्यक्रम में रीजन अध्यक्ष सुनील बज, ग्रुप अध्यक्ष सुशीला बड़जात्या, नरेंद्र निर्मला सेठी, विनोद बड़जात्या, प्रकाश कांता पाटनी, विजय अनिता जैन, प्रदीप उषा बज ने सम्मलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों का सहयोग व नरेन्द्र निर्मला सेठी का विशेष सहयोग रहा। डॉ शिव सिंह नरूला, डॉ पवन अग्रवाल का माला व दुपट्टा पहनाकर सम्मानित किया। अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या ने अधीक्षक डॉ नूपुर लौरिया, उपअधीक्षक डॉ शिव सिंह बराला, प्रोफेसर डॉ पवन अग्रवाल, कार्यवाहक नर्सिंग अधीक्षक गोपाल टेलर व स्टाफ का कार्यक्रम में विशेष सहयोग के लिए धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

जगतपुरा मे दीक्षार्थी की हुई गोद भराई

20 अप्रैल को होगी मदसौर में दीक्षा

जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य वात्सल्य वारिधी आचार्य 108 श्री वर्धमान सागर जी महाराज के करकमलों द्वारा 20 अप्रैल अतिशय क्षेत्र बही पारसनाथ मदसौर में मालवीय नगर जयपुर निवासी ब्रह्म सुरेश जी जैन शाह को दीक्षा दी जायेगी विनोद पापडीवाल ने अवगत कराया इस अवसर पर 14 अप्रैल को जगतपुरा के प्रमुख समाजसेवी पदम प्रेम देवी राकेश रेखा पाटनी के श्री णमोकार सदन के प्रांगण में जगतपुरा मालवीय नगर एवं अन्य स्थानों से पधारे हुए जैन समाज के बधुओ के अपार जन समूह में दीक्षार्थी की गोद भराई का कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया। राकेश पाटनी ने जानकारी दी इस अवसर दीक्षार्थी भैया के आने से पूर्व अन्तराष्ट्रीय संगीतकार नरेन्द्र कुमार जैन द्वारा भक्ति सध्या का रंगारंग कार्यक्रम रखा गया जिसमें सभी श्रद्धालुओं ने पुरे जोर शोर ओर भक्ति के साथ दीक्षार्थी का स्वागत अभिनन्दन कर सामूहिक अनुमोदना की गई इसके पश्चात उपस्थित सभी श्रावक गणों ने दीक्षार्थी भैया की गोद भराई की इस अवसर पर ब्र चारणी चन्द्र प्रभा दीदी जैन समाज के गौरवान्वित रामपाल जैन राजेश बाकलीवाल डा अविनाश जैन दौसा के एडवोकेट विनय छाबड़ा हनुमान प्रसाद जैन अन्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

जो तुम्हारे लिए चाहिए उसके अनुसार पुरुषार्थ करें : मुनि श्री अविचल सागर जी महाराज

अक्षय तृतीया पर होगा पंचायत कमेटी के तत्वावधान मे विभिन्न कार्यक्रम : विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया। मनुष्य के लिए नित नई नई आवश्यकता पड़ती रहती है हर आवश्यकता के लिए अलग अलग तरह के पुण्य की जरूरत होती है जो चीज आपको चाहिए उसके अनुसार पुरुषार्थ करना भी जरूरी है एक तरह के पुण्य से काम चलने वाला नहीं है आप चाहें तो धन सम्पत्ति के लिए अलग तरह के पुण्य की प्राप्ति होनी चाहिए घर ग्रहस्थी के लिए स्वस्थ रहने के लिए अलग तरह के पुण्य की जरूरत पड़ती है इस वात का हमें अच्छी तरह से ज्ञान होना चाहिए उक्त आश्य केउद्गार सुभाष गंज में भक्तों को सम्बोधित करते हुए मुनिश्री अविचल सागर जी महाराज ने व्यक्त किए।

समन्वय ग्रुप सहित युवा संगठनों को किया सम्मानित

इस दौरान जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि अक्षय तृतीया पर भगवान आदिनाथ ने दीक्षा के पूर्व पहली बार आहार चार्य कर जगत को दान की विधि से परिचित कराया था इस बार अक्षय तृतीया पर अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। महावीर जयंती पर ना केवल महिला मंडलों व युवा मंडलों को साथ पाठ शाला शिक्षक व वच्चो ने भी श्रेष्ठ प्रदर्शन किया आचार्य श्री विद्यासागर सर्वोदय पाठशाला गंज मन्दिर के चंदना मंडल ने श्रेष्ठ झांकी प्रस्तुत की वहीं समन्वय ग्रुप द्वारा बहुत ही सुन्दर स्वल्प की व्यवस्था बनाई गई जिन्हें श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी सम्मानित कर बहुत प्रसन्न हैं इसके साथ ही श्री दिगम्बर जैन युवा वर्ग जैन जागृति मंडल द्वारा बहुत ही सुन्दर जूलूस जमाया गया इनका भी हम सम्मान करना चाहते हैं इसके साथ ही गंज मन्दिर व गांव मन्दिर दिव्य घोष को भी हम यह सम्मान देने जा रहे हैं

हम जो भी कार्य करने जा रहे हैं वह उचित है क्या

मुनिश्री ने कहा कि आपको ये विवेक होना चाहिए हम जो भी कार्य करने जा रहे हैं वह उचित है या अनुचित है जव हमारे अंदर विवेक की आंख खुली रहेगी तो आप स्वता ही अच्छे काम करेंगे उन्होंने कहा कि अपनी कीर्ति बढ़ाने के लिए अपने आस पास के लोगों की प्रशंसा करें आप लोगों के घर परिवार में सब कुछ होने के लिए सम्यक क्रिया करना चाहिए यदि आप को ठंडक चाहिए तो वर्फ से मिलेगा आग से ठंडक नहीं मिलेगा जो सही होगा उन्होंने कहा कि आज के दौर में वच्चे जो देखते हैं वैसे ही चलते हैं आप वच्चो को सिखाओ की आप मन्दिर में जाते हैं तो कुछ परिवर्तन होना चाहिए मन्दिर जाने से तुम्हारे अंदर सुधार आना चाहिए।

राजस्थान जैन सभा जयपुर की महावीर जयन्ती स्मारिका के 60 वें अंक का विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान जैन सभा जयपुर द्वारा प्रकाशित महावीर जयन्ती स्मारिका के 60 वें बहुरंगीय अंक का विमोचन भट्टारक प्रमेय सागर महाराज के पावन सानिध्य में किया गया। प्रबंध सम्पादक यश कमल अजमेरा ने बताया कि भगवान महावीर के जीवन चरित्र, सिद्धांतों एवं जैन धर्म के ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक लेखों से सुसज्जित इस स्मारिका का विमोचन समाजश्रेष्ठी देवेन्द्र बोहरा, विनोद तिजारिया ने किया। स्मारिका के प्रधान सम्पादक का दायित्व डॉक्टर प्रेम चंद राँवका ने निभाया। अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन ने बताया कि प्रबंध सम्पादक यश कमल अजमेरा के साथ साथ सुरेन्द्र जैन, अतुल छाबड़ा आदि सहयोगियों की टीम ने अल्प समय में पूर्ण करने में अपना अतुलनीय सहयोग व योगदान दिया। महामंत्री मनीष बैद के मुताबिक इस मौके पर सभा के अध्यक्ष सुभाष चन्द जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रदीप जैन उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा', महामंत्री मनीष बैद, कोषाध्यक्ष अमर चन्द दीवान खोराबीसल , प्रबंध सम्पादक यश कमल अजमेरा, महावीर जयंती समारोह के मुख्य समन्वयक अशोक जैन नेता, कार्यकारिणी सदस्य कमल बाबू जैन, सुभाष बज, राखी जैन, शकुन्तला पाण्ड्या, दीपिका जैन 'कोटखावदा', संगीता अजमेरा, अनिला पाटनी, रेणू छाबड़ा, शालिनी अजमेरा, पवन बोहरा, सोम शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजश्रेष्ठी उपस्थित थे। उपाध्यक्ष विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि स्मारिका में सभा द्वारा की जा रही समाजोपयोगी गतिविधियों की जानकारी तथा किये गये विभिन्न आयोजनों की झलकियां शामिल की गई है। स्मारिका में आचार्य, मुनिराजो, आर्यिका माताजी तथा माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्री, सासंद सहित कई राजनेताओं, गणमान्य समाजश्रेष्ठीयो एवं प्रशासनिक अधिकारियों के शुभकामना संदेश भी प्रकाशित किये गये हैं। स्मारिका देश में जैन धर्म के साधु संतो, तीर्थ क्षेत्रों, विद्वानों, समाजश्रेष्ठीयो सहित श्रावकों को भिजवाई जावेगी।

मनीष बैद: महामंत्री
राजस्थान जैन सभा जयपुर

दीक्षार्थी सुरेश शाह की जयपुर से मंदसौर के लिए हुई अश्रुपूरित बिदाई-20 अप्रैल को मंदसौर में होगी जिनेश्वरी

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूरे विश्व में छोटी काशी के नाम से विख्यात धार्मिक नगरी राजधानी जयपुर का सौभाग्य है कि दिगम्बर जैन प्रथमाचार्य शांति सागर से लेकर परपंरा के वर्तमान पंचम पट्टाधीश आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज सहित अनेक आचार्यों, साधुओं से अनेक भव्य प्राणियों ने जैनेश्वरी दीक्षा लेकर मानव जीवन सार्थक किया। बोली /मालवीय नगर जयपुर निवासी 75 वर्षीय ब्रह्मचारी सुरेश शाह अपने गृहस्थ अवस्था के पुत्र वर्तमान मुनि हितेंद्र सागर का अनुशरण कर 20 अप्रैल 2025 को मध्यप्रदेश के अतिशय क्षेत्र बही पार्श्वनाथ मंदसौर में आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज से दीक्षा लेने हेतु मालवीय नगर समाज एवं परिजनों से मंगलवार को भावभीनी बिदाई लेकर मंदसौर के लिए प्रस्थान किया। राजस्थान जैन सभा के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा के अनुसार इस मौके पर जहां दीक्षार्थी सुरेश शाह के संयमी होने की खुशी थी वहीं परिजनों को बिछड़ने का दुःख नेत्रों से झलक रहा था, जो सभी को भावुक कर रहा था। समाजसेवी राजेश पंचोलिया ने बताया कि आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज ने इसके पूर्व दीक्षार्थी सुरेश शाह के तीसरे पुत्र महेन्द्र शाह (वर्तमान में मुनि हितेंद्र सागर ,) मुनि विवर्जित सागर को दीक्षा दी है। 75 वर्षीय आचार्य वर्धमान सागर मुनिराज ने 56 वर्ष के संयमी जीवन में 35 वर्ष की आचार्य अवधि में अभी तक इसके पूर्व 114 दीक्षा दी है। 21 वी सदी के प्रथम आचार्य शांति सागर श्रमण परंपरा के सर्वोच्य नायक आचार्य वर्धमान सागर पंचम पट्टाधीश पद को सुशोभित कर रहे है। दीक्षार्थी सुरेश शाह को पत्नी श्रीमती सुनीता,पुत्र गजेंद्र शाह, मनोज, पुत्री कमलश्री सहित परिजनों हरक चंद लुहाड़िया, शिखर चंद जैन, रामपाल, नीरज लुहाड़िया , पारस कासलीवाल, मुकेश कासलीवाल,सुमित्रा छाबड़ा आदि सहित समाज बन्धुओं ने जुलुस के माध्यम से दीक्षार्थी श्री शाह को बिदाई दी।

विनोद जैन कोटखावदा